नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

'हिंदी कविता के प्रस्थान : 20वीं सदी' पर 13 से
हिंदी विश्वविद्यालय में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

वर्धा, दि. 07 दिसंबर 2018 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र के सहयोग से हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग की ओर से'हिंदी कविता के प्रस्थान : 20वीं सदी' विषय पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 13-15 दिसंबर को किया जा रहा है। उदघाटन के बाद 'दस दिशा अनुरंजित हो गई (द्विवेदीयुगीन कविता), नवगति नवलय ताल छन्द नव (छायावादी कविता), बहुत दिनों के बाद (प्रगतिवादी कविता), सहसा वीणा झनझना उठी (प्रयोगवादी कविता), चौराहे मिलते हैं बाँह फैलाए (नयी कविता) पर चर्चा होगी। शाम को 7.00 बजे से काव्य संध्या में कवियों का रचनापाठ होगा। 15 दिसंबर को अपनी केवल धार (समकालीन कविता), सृष्टि की पहली सुबह थी वह (विमर्शों की कविता –स्त्री, दलित, आदिवासी) पर चर्चा होगी। दोपहर 2.30 बजे संगोष्ठी का समापन सत्र होगा। संगोष्ठी में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील संयोजक प्रो. अवधेश कुमार ने की है।

--